Tribal Subplan Programme

Empowering Tribal Communities through Skill Development in Sustainable Fishing Technology

Date: 19-03-2025

Under the Tribal Sub Plan, a training program entiled “Empowering Tribal Communities through Skill Development in Sustainable Fishing Technology” focused on sustainable fishing technology was conducted at Dharavli Tribal Village Society, Madh, on March 19, 2025. The initiative aimed to equip tribal fishers with essential knowledge and practical experience in sustainable fishing methods, with 51 participants in attendance, including 33 males and 18 females. The program was coordinated by Dr. Karankumar Ramteke, Dr. Asha T. Landge, Mr. Abuthagir Iburahim, Dr. Sangeeta Mandal, Dr. Monalisa Sukham, and Mr. Dayal Devadas of FRHPHM division under the guidance of Dr. B.B .Nayak and Dr. Munil Kumar , Principle Scientist, ICAR-CIFE, Mumbai.

Dr. Asha T. Landge introduced the participants to the differences between traditional and modern sustainable fishing practices. Dr. Sangeeta Mandal emphasized the importance of responsible fishing practices to reduce juvenile bycatch, and Dr. Monalisa Sukham highlighted the role of selective fishing gear in promoting sustainability. Dr. Karankumar Ramteke elaborated on eco-friendly fishing methods, while Mr. Abuthagir Iburahim addressed the impact of plastic pollution and waste management in fisheries. The final technical session by Mr. Dayal Devadas focused on sustainable bagnet fishing, best practices, and resource management. The students of CIFE interacted with the Fishers and motivated their kids to pursue education in fisheries. The event concluded with a valedictory ceremony where students of FRM delivered a vote of thanks The initiative was aimed to imparte essential knowledge and skills, promoting environmental conservation and strengthening the livelihoods of tribal fishing communities through sustainable practices.

आदिवासी उपयोजना कार्यक्रम

सतत मछली पालन तकनीक में कौशल विकास के माध्यम से आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाना

तिथि:19-03-2025

आदिवासी उपयोजना के तहत, "सतत मछली पालन तकनीक में कौशल विकास के माध्यम से आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाना" शीर्षक से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 मार्च 2025 को धारावली आदिवासी गांव समाज, माध में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी मछुआरों को सतत मछली पालन विधियों में आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था, जिसमें 51 प्रतिभागी उपस्थित थे, जिनमें 33 पुरुष और 18 महिलाएं शामिल थीं। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. करनकुमार रामटेके, डॉ. आशा टी. लांडे, श्री अबुतिग़ीर इब्राहीम, डॉ. संगीता मंडल, डॉ. मोनालिसा सुखम और श्री दयाल देवदास ने FRHPHM विभाग के तहत किया, और मार्गदर्शन डॉ. बी.बी. नायक और डॉ. मुनिल कुमार, प्रमुख वैज्ञानिक, ICAR-CIFE, मुंबई द्वारा किया गया।

डॉ. आशा टी. लांडे ने प्रतिभागियों को पारंपरिक और आधुनिक सतत मछली पालन प्रथाओं के बीच अंतर से परिचित कराया। डॉ. संगीता मंडल ने जिम्मेदार मछली पालन प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया, ताकि किशोर मछलियों का पकड़ा जाना कम किया जा सके, और डॉ. मोनालिसा सुखम ने सततता को बढ़ावा देने में चयनात्मक मछली पालन उपकरण की भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. करनकुमार रामटेके ने पर्यावरण के अनुकूल मछली पालन विधियों पर विस्तार से बताया, जबकि श्री अबुतिग़ीर इब्राहीम ने मछली पालन में प्लास्टिक प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभाव पर चर्चा की। श्री दयाल देवदास द्वारा अंतिम तकनीकी सत्र में सतत बैगनेट मछली पालन, सर्वोत्तम प्रथाओं और संसाधन प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। CIFE के छात्रों ने मछुआरों से बातचीत की और उनके बच्चों को मछली पालन में शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन एक विदाई समारोह के साथ हुआ, जिसमें FRM के छात्रों ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस पहल का उद्देश्य आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और सतत प्रथाओं के माध्यम से आदिवासी मछुआरी समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाना था।

आदिवासी उपयोजना कार्यक्रम
आदिवासी मच्छीमार आणि